अर्थ की दृष्टि से वाक्य भेद :-

मनुष्य एक सामाजिक प्राणी है। वह समाज में दूसरों से जुड़े रहने के लिए अपनी बातचीत में भाषा का प्रयोग करता है। इसके लिए वह ध्वनियाँ निकालता है। इन्हीं ध्वनियों का सार्थक समूह शब्द और वाक्य का रूप ले लेते हैं। वह प्रायः वाक्यों के रूप में अपनी बातें कहता है।

परिभाषा :- सार्थक शब्दों का वह व्यवस्थित समूह जिनके माध्यम से मन के भाव-विचार प्रकट किए जाते हैं, उन्हें वाक्य कहते हैं।

उदाहरण - ① वसंत ऋतु आते ही फूल खिल जाते हैं।
② फैक्ट्रियाँ लगने से प्रदूषण बढ़ गया है।

वाक्यभेद :- अर्थ के आधार पर वाक्यों के आठ भेद होते हैं-

① **विधान वाचक वाक्य :-** जिन वाक्यों में क्रिया के करने या होने की सामान्य सूचना मिलती है, उन्हें विधान वाचक वाक्य कहते हैं। किसी के अस्तित्व का बोध भी इस प्रकार के वाक्यों से होता है। इन वाक्यों को सरल वाक्य, साधारण वाक्य, सकारात्मक या सामान्य वाक्य भी कहते हैं।

उदाहरण-
① नदी में बाढ़ आई है।
② विजया ने दौड़ में प्रथम स्थान प्राप्त किया।
③ सूर्य पश्चिम में अस्त होता है।
④ जनता ने नेताजी का स्वागत किया।
⑤ रोहित ने नया मकान खरीदा।

P.T.O.

(2) निषेध वाचक वाक्य :- जिन वाक्यों से क्रिया न होने या न किए जाने का भाव प्रकट होता है, उसे निषेध वाचक या नकारात्मक वाक्य कहते हैं। इसकी पहचान, न, मत, नहीं देखकर की जा सकती है।

उदाहरण –

1. माला नहीं जायेगी।
2. रोहन धूप में न निकलना।
3. ऐसी सरदी में बाहर मत जाओ।
4. आज गणित के अध्यापक ने कक्षा नहीं ली।
5. पक्षी घोसले से नहीं उड़े हैं।

(3) प्रश्नवाचक वाक्य :- जिन वाक्यों में प्रश्न किया जाए अर्थात् किसी से कोई बात पूछी जाए उन्हें प्रश्न-वाचक वाक्य कहते हैं।

प्रश्नवाचक वाक्यों की पहचान
1. क्या, कब, क्यों, कैसे, कौन, किसे किसका आदि प्रश्न-वाचक शब्द देखकर की जाती है।
2. वाक्य के अन्त में लगे प्रश्नवाचक चिह्न (?) को देखकर की जाती है।

उदाहरण —

1. तुम पढ़ने कब जाओगे ?
2. तुम खेलोगे ?
3. ऐसी धूप में बाहर कौन खड़ा है ?
4. तुम कल विद्यालय क्यों नहीं आए ?
5. विक्रम किसकी राह देख रहा है ?

(4) विस्मयादि वाचक वाक्य :- जिन वाक्यों से आश्चर्य (विस्मय), हर्ष, शोक, घृणा, आदि के भाव व्यक्त हो, उन्हें विस्मयादि वाचक वाक्य कहते हैं इन वाक्यों का दूसरा नाम उद्गारवाचक वाक्य भी है।

विस्मयादि वाचक वाक्यों की पहचान -

① वाक्य में अहो! अहा! हाय! छि:! अरे! आदि देखकर।
② विस्मय बोधक शब्दों के बाद लगे विस्मयादि बोधक चिह्न (!) को देखकर की जा सकती है।

उदाहरण - ① अच्छा! तुमने भी स्नान कर लिया।
② छि:! नाले के पास बड़ी बदबू थी।
③ अरे! कितना विशाल मैदान है।
④ ओह! कैसे बादल उमड़ कर आए हैं।
⑤ हाय! बेचारा असमय ही चल बसा।

⑤ आज्ञावाचक वाक्य :- जिन वाक्यों से आज्ञा या अनुमति देने का बोध हो, उन्हें आज्ञावाचक वाक्य कहते हैं।

उदाहरण -
① यहाँ से चले जाइए।
② अपना - अपना काम करो।
③ दीवारों को साफ़ कर दो।
④ किताब के पेज मत फाड़ो।
⑤ किसलय, अब पढ़ने बैठ जाओ।

⑥ इच्छावाचक वाक्य :- जिन वाक्यों में वक्ता की इच्छा, कामना, आशीर्वाद आदि का भाव प्रकट होता है, उन्हें इच्छावाचक वाक्य कहते हैं।

उदाहरण -
① नववर्ष मंगलमय हो।
② काश! इस समय माँ साथ होती।
③ मित्र जन्म दिन की ढेर सारी बधाइयाँ।
④ भगवान करे, सब कुशल लौटें।
⑤ मैं चाहता हूँ कि सभी स्वस्थ हों।

(7) संदेह वाचक वाक्य जिन वाक्यों में कार्य होने में संदेह अथवा संभावना का बोध हो, उन्हें संदेहवाचक वाक्य कहते हैं।

संदेह वाचक वाक्यों की पहचान—

(1) वाक्य के अंत में 'होगा', 'होगी' 'होंगे' देखकर।
(2) शायद, संभवतः जैसे शब्द देखकर की जा सकती है।

उदाहरण— (1) अब तक फसल कट चुकी होगी।
(2) संभवतः विजय विद्यालय से घर आ चुका होगा।
(3) शायद आज बारिश हो।
(4) दीपक रूठ गया होगा।
(5) वह शायद आज घर आए।

8. संकेतवाचक वाक्य जिन वाक्यों में एक क्रिया का होना दूसरी क्रिया पर निर्भर करता है, उन्हें संकेत वाचक वाक्य कहते हैं। इस प्रकार के वाक्यों में पूरा होने के लिए शर्त-सी लगी होती है। संकेत वाचक वाक्य की पहचान यदि, अगर जैसे शब्दों को देखकर की जा सकती है।

उदाहरण—
(1) यदि वर्षा रुकती तो मैं घर जाता।
(2) अगर जल्दी आते तो टिकट मिल जाता।
(3) यदि सिंचाई की गई होती तो फ़सलें न सूखतीं।
(4) यदि डॉक्टर समय पर आ जाते तो मरीज़ की जान बच जाती।
(5) अगर उसने झूठ बोला तो उसकी नौकरी चली जाएगी।

—अभ्यास कार्य—

वाक्यों को निर्देशानुसार बदलिए—

1. विदेशी होकर भी वह हिंदी बोलती है। (विस्मय वाचक)
1. अरे! वह विदेशी होकर हिंदी बोलती है।

2. पढ़ताने से बचने के लिए कठोर परिश्रम करो। (संकेत वाचक)
2. कठोर परिश्रम करते तो पढ़ताने से बच जाते।

3. ताकतवर होते हुए भी वह हार गया। (प्रश्नवाचक)
3. क्या ताकतवर होकर भी वह हार गया?

4. सुबह होते ही फूल खिलने लगे। (विस्मयवाचक)
4. अहा! सुबह होते ही फूल खिलने लगे।

5. प्रांजल स्वस्थ होने के साथ धनी भी है (निषेध वाचक)
5. प्रांजल स्वस्थ होने के साथ धनी नहीं है।

6. खेमू बरतन साफ करता है। (आज्ञावाचक वाक्य)
6. खेमू बरतन साफ करो।

7. वह अपने माता-पिता की सेवा करता है। (इच्छावाचक)
7. काश! वह अपने माता-पिता की सेवा करता।

8. हरिद्वार जाकर मैं गंगा स्नान नहीं करूँगा। (विधान वाचक)
8. हरिद्वार जाकर मैं गंगा स्नान करूँगा।

9. वह आज विद्यालय नहीं जाएगा। (संदेह वाचक)
9. शायद वह आज विद्यालय नहीं जाए।